भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
केन्द्रीय कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

मई, 2022

कोबाड घैंडी द्वारा लिखित 'फ्रैक्चर्ड् फ्रीडम्–ए प्रिज़न मेम्वार' का जवाब जारी

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्रीय कमेटी कोबाड घैंडी द्वारा लिखित 'फ्रैक्चर्ड् फ्रीडम्–ए प्रिज़न मेम्वार' का जवाब जारी कर रही है.

2009 की आखिरी में अपनी गिरफ्तारी के समय कोबाड पार्टी की केंद्रीय कमेटी एवं पोलित ब्यूरो सदस्य थे. जब से वे गिरफ्तार हुए तब से यही कहते आ रहे हैं कि वो सीसी या पीबी सदस्य नहीं हैं. 2013 में जेल से 'क्वश्चंस ऑफ फ्रीडम् ऐण्ड पिपुल्स इमैंसिपेशन' के नाम पर उनके द्वारा लिखित लेख 'मेइन स्ट्रीम' पत्रिका में प्रकाशित किए गए. उन लेखों में उन्होंने उस सिद्धांत, राजनीति और क्रांति से इनकार किया था जिसका वे अनुसरण करते आ रहे थे. पार्टी के सांगठनिक उसूल जनवादी केंद्रीयता का पालन करते हुए केंद्रीय कमेटी ने अब तक उनके मिलने या पत्र लिखने का इंतजार किया.

तथापि 2019 में अपनी रिहाई के बाद पार्टी से परामर्श किए बगैर एवं पार्टी को जानकारी दिए बगैर ही कोबाड ने यह किताब लिखी. यह किताब मार्क्सवादी–लेनिनवादी–माओवादी सिद्धांत, पार्टी की राजनीतिक–सैनिक लाइन, पार्टी द्वारा पालन किए जाने वाले बुनियादी मूल्यों का पूरी तरह विरोध किया. यह पार्टी के सांगठनिक उसूलों का गंभीर उल्लंघन है.

इन परिणामों के मद्देनजर सीसी ने उन्हें पार्टी से बहिष्कार करने का निर्णय लिया और 19 नवंबर, 2021 को इस बाबत् अखबारों को बयान जारी किया. उक्त बयान में कहे अनुसार अब उस किताब का जवाब हिंदी, अंग्रेजी और तेलुगु भाषाओं में जारी कर रही है.

अभय

(अभय)
प्रवक्ता,
केन्द्रीय कमेटी,
भाकपा (माओवादी)